

CLASS : 10th (Secondary)

1951/1901

Series : Sec. M/2017

SET : A, B, C & D

Total No. of Printed Pages : 16

MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

HINDI

(Academic/ Open)

(Only for Fresh Candidates)

उप-परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।

General Instructions :

- (i) Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.*
- (ii) Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.*
- (iii) Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.*
- (iv) Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.*

1951/1901/(Set : A, B, C & D)

P. T. O.

- (v) *Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.*
- (vi) *A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.*
- (vii) *If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.*
- (viii) *If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.*
- (ix) *Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.*
- (x) *Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.*
- (xi) *Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not heeded to, will bring a bad name to them and the Institution.*

महत्त्वपूर्ण निर्देश :

- (i) अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
- (ii) शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।
- (iii) परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।
- (iv) वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।
- (v) भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।
- (vi) मुख्य-परीक्षकों/ उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/ Guidelines दी जा रही है, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।

SET - A

खण्ड - क

1. (क) दीर्घ संधि के कोई **दो** नियम उदाहरण सहित लिखिए।
1 + 1 = 2
- (ख) स्वतः स्पष्ट है। 2
- (ग) तिरोभाव = तिरः, सपूत = स 2
- (घ) अग्रज = अनुज, आस्तिक = नास्तिक 2
- (ङ) कोई भी **दो** उपयुक्त शब्द 2
- (च) **अविकारी शब्द** - जिन शब्दों के स्वरूप में किसी कारण कोई परिवर्तन न हो। 2
- (छ) (i) **अंत भले का भला** - अच्छे काम का परिणाम अच्छा ही मिलेगा। 2
- (ii) **फूला न समाना** - बहुत अधिक प्रसन्न होना।
2. (क) स्वतः स्पष्ट है। 2
- (ख) स्वतः स्पष्ट है। 2
3. **निबंध** : प्रस्तावना, विषय-संयोजन, भाषा-शैली, समापन। 6
4. सुसंयोजित प्रारम्भ एवं समापन, विषय-संयोजन, भाषा योजना। 6

खण्ड - ख

5. (i) (ख) कृष्ण
(ii) (ग) श्रीकृष्ण
(iii) (घ) बालक
(iv) (घ) मुकुट
(v) (क) मन को
(vi) (ग) फागुन
(vii) (क) जलजात
(viii) (ग) बेटी को $1 \times 8 = 8$
6. परीक्षार्थी के उत्तर के आधार पर मूल्यांकन अपेक्षित है। $1 \times 5 = 5$
7. प्रश्न के उत्तर अनुरूप मूल्यांकित कीजिए। $2 + 2 = 4$
8. सम्बन्धित कविताओं के संदर्भ में मूल्यांकित कीजिए। 3

खण्ड - ग

9. (i) (ख) हर पन्द्रहवें दिन
(ii) (ग) मझोला
(iii) (घ) सतृष्ण

(iv) (ग) अंतिम

(v) (ग) इन्दौर

(vi) (ख) गार्गी ने

(vii) (ख) डुमराँव में

(viii) (क) संस्कृति का

1 × 8 = 8

10. गद्यांश से संदर्भित उत्तरों के आधार पर मूल्यांकन कीजिए। 1 × 4 = 4

11. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना -

जन्म सन् 1927, जिला बस्ती, उत्तर प्रदेश

निधन सन् 1983 मध्यवर्गीय चेतना के लेखक, यथार्थ बोध, सहजता, स्वाभाविकता, पाँच कविता संग्रह, दो उपन्यास, एक नाटक, साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित, सामान्य जन की आकांक्षाओं के रचनाकार।

अथवा

स्वयं प्रकाश -

जन्म 1947 इन्दौर म० प्र० में, मैकेनिकल इंजीनियरिंग तक शिक्षा, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति उपरान्त 'वसुधा' पत्रिका का संपादन, मध्यवर्गीय जीवन कुशल चित्तेरे स्वयं प्रकाश की रचनाओं में वर्ग-शोषण के विरुद्ध चेतना, सामाजिक विषमता का विरोध आदि प्रमुख हैं।

6

1951/1901/(Set : A, B, C & D)

12. सम्बन्धित पाठ के आधार पर मूल्यांकित कीजिए। 2

खण्ड - घ

13. कृतिका - (भाग 2) के संबंधित पाठों के आधार पर प्रश्न न० 13 के उप-खण्ड (क) से (ङ) तक को मूल्यांकित कीजिए। 2 × 5 = 10

SET - B

खण्ड - क

1. (क) **विसर्ग संधि** - विसर्ग के बाद यदि स्वर या व्यंजन आता है तो उसके कारण विसर्ग में होने वाले परिवर्तन को विसर्ग संधि कहते हैं। 2
- (ख) **तत्पुरुष समास** - दूसरा पद प्रधान, विशेषण होने के कारण पहला पद गौण। 2
- (ग) उपसर्ग-अति, भरा। 2
- (घ) विलोम - अनासक्त, प्राचीन। 2
- (ङ) **पर्यायवाची-अतिथि-पाहुन**, अभ्यागत/ किरण-रश्मि, अंशु। 2
- (च) **विकारी शब्द** - जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक, काल, वाच्य आदि के कारण परिवर्तन होता है। 2
- (छ) (i) चोर के पैर नहीं होते - अपराधी जल्द घबरा जाता है।
- (ii) मान न मान मै तेरा मेहमान - जबरदस्ती गले पड़ना। 2

2. (क) **उपमा अलंकार** - जब किसी वस्तु, पदार्थ को उत्कर्ष बताने कि लिए लोकप्रसिद्ध वस्तु से तुलना की जाए। 2
- (ख) **मात्रिक छंद** - जिन छंदों में मात्राओं की गणना की जाए। 2
3. **निबंध** : प्रस्तावना, विषय-संयोजन, भाषा-शैली, समापन। 6
4. पत्र, प्रार्थना-पत्र, प्रारम्भ एवं समापन की औपचारिकताएँ, विषय संयोजन, भाषा। 6

खण्ड - ख

5. (i) (ग) उद्धव
 (ii) (घ) गोपियों ने
 (iii) (क) बालकांड
 (iv) (ग) नूपूर
 (v) (घ) नश्वर
 (vi) (घ) बादल का
 (vii) (क) जलजात
 (viii) (घ) दुःख की प्राप्ति 1 × 8 = 8
6. (i) कवि-ऋतुराज, कविता-कन्यादान
 (ii) स्वतः स्पष्ट है
 (iii) रोटियाँ सेकने के लिए
 (iv) चेहरे पर रीझने से
 (v) वस्त्र और आभूषण 1 × 5 = 5

7. उत्तर के अनुरूप मूल्यांकित कीजिए। $2 + 2 = 4$
8. सम्बन्धित कविताओं के संदर्भ में उत्तर का मूल्यांकन कीजिए। 3

खण्ड - ग

9. (i) (घ) ड्राइंग मास्टर ने
 (ii) (ग) चश्मा नहीं था
 (iii) (ख) कबीर के
 (iv) (ग) नवाबी नस्ल का व्यक्ति
 (v) (घ) बेल्जियम
 (vi) (ख) उपन्यास
 (vii) (ग) गांधर्व
 (viii) (क) रीढ़ $1 \times 8 = 8$
10. (i) पाठ-स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खण्डन, लेखक - महावीर प्रसाद द्विवेदी।
 (ii) कि आजकल भी स्त्री शिक्षा के विरोधी हैं।
 (iii) घर में होने वाली कलह।
 (iv) ये लोग स्त्री-शिक्षा के विरोधी हैं। $1 \times 4 = 4$
11. यशपाल - जन्म 1903, पंजाब के फिरोजपुर छावनी में, स्वाधीनता संग्राम की क्रान्तिकारी धारा से संपर्क, 1976 में निधन, यथार्थवादी, रूढ़ियों के विरुद्ध, सामाजिक विषमता पर प्रहार, सहजता और स्वाभाविकता के गुण सर्वत्र उपलब्ध। 6

अथवा

मन्नू मण्डारी – जन्म 1931 गाँव भानपुरा, जिला मंदसौर (मध्यप्रदेश) दिल्ली के मिरांडा हाऊस कॉलेज में शिक्षण। स्वातंत्रयोत्तर कथा साहित्य की सशक्त हस्ताक्षर नारी मन की स्वाभाविक चितेरी हैं। भाषा सहज सुसंयोजित।

12. 'लखनवी अंदाज' पाठ के अनुरूप मूल्यांकन अपेक्षित है। 2

खण्ड – घ

13. कृतिका-भाग 2 के संबंधित पाठों के आधार पर इन पाँचों प्रश्नों को मूल्यांकित कीजिए। $2 \times 5 = 10$

SET – C

खण्ड – क

1. (क) स्वर संधि – दो स्वरों के मेल से होने वाले परिवर्तन को स्वर संधि करते हैं। 2
- (ख) उपसर्ग-नि, कम 2
- (ग) कर्मधारय समास में एक पद विशेषण तथा दूसरा पद विशेष्य होता है। 2
- (घ) निवृत्ति, सहित। 2
- (ङ) कोई दो पर्यायवाची। 2
- (च) जिन शब्दों के स्वरूप में किसी कारण कोई परिवर्तन नहीं होता। 2

- (छ) (i) अक्ल का दुश्मन - मूर्खतापूर्ण बात करना।
(ii) नानी याद आना - नष्ट का अनुभव होना। 2
2. (क) रूपक अलंकार - जहाँ अव्यन्त समानता दिखाने के लिए उपमेय और उपमान में अभेद बताया जाए। 2
- (ख) स्वयं स्पष्ट है। 2
3. निबंध : प्रस्तावना, विषय-प्रस्तुति, भाषा-योजना, उपसंहार। 6
4. पत्र-लेखन प्रारम्भ और समापन की औपचारिकताएँ, प्रस्तुति , भाषा। 6

खण्ड - ख

5. (i) (ख) उद्धव
(ii) (घ) व्यंग्य का
(iii) (ग) टूटे हुए धनुष को
(iv) (घ) तगड़ी
(v) (ख) मन को
(vi) (घ) विद्युत
(vii) (घ) बच्चों के
(viii) (क) बेटी को 1 × 8 = 8
6. (i) कवि-गिरिजा कुमार माथुर, कविता छाया मत छूना।
(ii) स्वतः स्पष्ट है।

(iii) सुहावनी

(iv) प्रियतमा की

(v) तन सुगंधा

$$1 \times 5 = 5$$

7. परीक्षार्थी द्वारा दिए गए उत्तर के अनुरूप मूल्यांकन अपेक्षित है।

$$2 + 2 = 4$$

8. सम्बन्धित कविताओं के आधार पर उत्तर का मूल्यांकन कीजिए। 3

खण्ड - ग

9. (i) (घ) कम्पनी के काम के लिए

(ii) (घ) संगमरमर से

(iii) (ग) जादू

(iv) (ग) रईसों का अंदाज दिखाने के लिए

(v) (घ) फ़ादर कामिल बुल्के को

(vi) (क) काले रंग की होना

(vii) (क) दुष्यन्त को

(viii) (ख) विचारवान

$$1 \times 8 = 8$$

10. (i) लेखक-रामवृक्ष बेनीपुरी पाठ -बालगोबिन भगत।

(ii) जिस दिन उनका बेटा मरा।

(iii) क्योंकि वह सुस्त और बोदा था।

1951/1901/(Set : A, B, C & D)

(iv) जो बच्चे किसी अपंगता के शिकार हो उन्हें ज्यादा ध्यान और प्यार चाहिए। $1 \times 4 = 4$

11. रामवृक्ष बेनीपुरी - बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बेनीपुर गाँव में 1899 में जन्म, दसवीं तक शिक्षा। स्वाधीनता आंदोलन में सक्रिय। उनकी रचनाओं में स्वतंत्रता चेतना, मानवीयता, सांस्कृतिक बोध आदि प्रमुख विशेषताएँ हैं। 6

अथवा

महावीर प्रसाद द्विवेदी - जन्म - 1864 गाँव दौलतपुर, जिला रायबरेली उत्तर प्रदेश। रेलवे में नौकरी, 1903 में सरस्वती पत्रिका का प्रकाशन संपादन, 1938 में निधन। हिन्दी गद्य की भाषा का परिष्कार। व्याकरण वर्तनी के नियम स्थिर करना। स्वाधीनता चेतना तथा स्वदेशी भावना का प्रचार। विद्वता, बहुज्ञता और सरसता उनकी विशेषताएँ हैं।

12. 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर उत्तर का मूल्यांकन कीजिए। 2

खण्ड - घ

13. कृतिका-(भाग 2) के आधार पर प्रश्न क्रम संख्या 13 के उपखण्ड (क) से (ड.) तक के उत्तरों को मूल्यांकित कीजिए। $2 \times 5 = 10$

SET - D

खण्ड - क

1. (क) शब्द भाषा की स्वतंत्र इकाई है। व्याकरणिक नियमों के अनुसार जब इसका वाक्य में प्रयोग हो जाता है तो यह पद कहलाता है। 2

- (ख) व्यंजन संधि – व्यंजन ध्वनि से परे किसी स्वर या व्यंजन के आने से होने वाले परिवर्तन को व्यंजन संधि कहते हैं। 2
- (ग) द्विगु समास में समस्त पद का पहला पद संख्या वाचक होता है। 2
- (घ) उपसर्ग – प्र, कम 2
- (ङ) आरम्भ, तिरोभाव। 2
- (च) कोई दो उपयुक्त शब्द। 2
- (छ) (i) रात दिन एक करना – बहुत मेहनत करना
(ii) आ बैल मुझे मार – जान-बूझकर आफत मोल लेना। 2
2. (क) उपमा अलंकार – किसी वस्तु की तुलना लोक प्रचलित समानधर्मी वस्तु से की जाए तो वह 'उपमा' कहलाती है। 2
- (ख) मात्रिक छंद – जिस छंद में मात्राओं की गणना की जाती है मात्रिक छंद होता है। 2
3. निबन्ध : प्रस्तावना, विषय-प्रस्तुति, भाषा-संयोजन, समापन। 6
4. पत्र-लेखन-प्रारंभ और समापन की औपचारिकताएँ, प्रस्तुति, भाषा योजना। 6

खण्ड – ख

5. (i) (क) धागा
(ii) (घ) योग साधना का
(iii) (ग) श्रीराम ने

- (iv) (ग) चाँदनी रात में
 (v) (ग) सुख का
 (vi) (क) आभा
 (vii) (ख) माँ की
 (viii) (ख) भोली 1 × 8 = 8

6. (i) कवि – नागार्जुन – कविता – यह दंतुरित मुसकान
 (ii) स्वतः स्पष्ट है।
 (iii) दंतुरित मुसकान
 (iv) कमल के लिए
 (v) बच्चे का स्पर्श पाकर 1 × 5 = 5

7. परीक्षार्थी के उत्तर अनुरूप मूल्यांकन कीजिए। 2 + 2 = 4

8. सम्बन्धित कविताओं के आधार पर उत्तरों को मूल्यांकित कीजिए। 3

खण्ड – ग

9. (i) (घ) मन पर
 (ii) (क) मोतीलाल
 (iii) (घ) ईश्वर भक्ति का
 (iv) (ख) सूँघकर
 (v) (क) दो
 (vi) (घ) ब्रह्मपुरी

- (vii) (क) बौद्धों ने
 (viii) (ख) अपढ़ों की $1 \times 8 = 8$
10. (i) लेखक-महावीर प्रसाद द्विवेदी, पाठ-स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन।
 (ii) विमान।
 (iii) बड़े-बड़े जहाजों पर
 (iv) अपनी पुराणों में लिखित तरक्की को। $1 \times 4 = 4$
11. महावीर प्रसाद द्विवेदी - Set - C में देखें। 6

अथवा

यतीन्द्र मिश्र - जन्म 1977 में अयोध्या (उ० प्र०) हिन्दी से एम एं अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'सहित' का संपादन। समाज सम्मत सत्यों को अपने साहित्य में स्थान दिया है।

12. सम्बन्धित पाठ के अनुरूप उत्तर को मूल्यांकित कीजिए। 2

खण्ड - घ

13. कृतिका-(भाग- 2) में संकलित संबंधित पाठों के आधार पर प्रश्न नं० 13 के (क) से लेकर (ड) तक के उत्तरों को मूल्यांकित कीजिए। $2 \times 5 = 10$